

DPN6741

Title : मन्त्रसूत्र / MANTRA SAPHU

Run. No. 7466

Cat. No. 28

Micro. No.

Subject Tantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 18 X 8.2

Folios 14

Lines (in a page) 5/6

✓ Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. ✓ / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Both side yellow

Material : palmleaf / paper / thyasaphu ✓ /

Condition : fine ✓ / damaged by worms, rats, water / blood stain

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ गुरुभ्यो नमः ॥ धनं धनं मल्लया आशा महो फल स्वाहा ॥ वा ३ ॥
धुल छाडा हि छप ॥

20

15

10

5



ॐ गुरुआज्ञा॥ धवधवमक्षयाज्ञा मही
फतस्वाहा भाधा ३॥ धुलका इहिकय

ॐ गुरुआज्ञाहिं डहिं हिं डफरवा॥ धा ३॥
हीक्षियमत्र॥ ॐ कालचक्रअकारे तु सिद्धि
गुरुआज्ञा॥ धाल ७॥ येकन जपले पेहूसस
गेने॥

११ कामेश्वरी कां मंरुदेवें वुवसकर यनवं नामयिके
आज्ञा॥ ध्वमंत्रनसिंधर जपपाव मिसाजनयाना
मद्विथंडू आदित्यवारकु हूदिन ध्वकु हू गिय
के चके वसं॥ १७॥ ११ अनादिसिद्धनादिसि प्राणो
रोक्षरायके सकमंत्र भक्ति पुरुमंनु विरपक्षि

के आज्ञा॥ ध्वमंत्रनमद्यजपलपे धाल ३ ध्वनका
यमपु निश्चयन॥ ७॥ ११ मदेदुनाथ विरमह
शेषल कवापु रदारव प्रभेरे रकपानि कपात्र श्री
मंदेदुके आज्ञा॥ ध्वमंत्रनजपुलपे धाल ३ हिंस
प्राशसं हिज्ञानस्य अपचालया यमपु॥ ७॥

ॐ श्रीं जनकालीकुजादे विसिद्धि करयताम
स्यमाता नव नामा ताकि आज्ञा ॥ ॥ थो मंत्र न
श्रीं जनन थपते ये थर्म रक्षा ॥ ध्व मकु नन के रे
के वसा ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ गौरो खना थवदः श्री मच्छे
इ पाद श्री भै रव पाद हं फट्ट स्वाहा ॥ धा ॥ ३ ॥ चे

कनजपत्रपंथवर्णससोयथवर्णकवच॥थ
मंत्रनरंखजपलपंथने,गनवनसाकवच॥७॥
१५गंधकिकोसिकिवाधिपाधिपानीसोख
यपंमुनागीगामायीपुरुः विरूकेप्राज्ञामंत्र॥
थमंत्रनखोवालनजेकेः अथाहवषोडूख

यजीवनिश्चयना ॥ ७ ॥ १ ॥ स्नानं खके आजा ॥ १ ॥ ह
 कृष्ण वा युवा २ न हे श्रीगोरख के द्वा हा या ॥ ७ ॥ सा
 प्रावि या ॥ १ ॥ सार सारि नि मा हा मा या परमेश्वरि
 ही नम ॥ धाल १ ॥ धर्म त्र न ज प ल पा व नि न म लि
 वि अरोगः स्व तो न क सार थ या ॥ धर्म त्र न चि ज

पलपं मे स सार थ य ज लो ॥ ॥ इति गो रे ख के
 गु तिका प्रथमः खर ड स मा पा ॥ ७ ॥ श्रीगो रे ष उ वा य
 नो न पा यु ति य न र सि नो न ग ने स भ यो खार स म
 ड स भु पु रे गो रे ष वा य ॥ धर्म त्र न ची ज प पा व
 न के सा मे सा ॥ ७ ॥ १ ॥ ह र ह र पा नी सूर्य कर पं

वायुः सोषयः जरे सोषयः सोषाः सोखाः विर सु
 खा पिरकिः आजाः फुरमंत्रसभुर ॥ धा लाध्व
 मंत्रनः शङ्कर विभुति जप पाव सोयः महुि सेखपा ॥
 ध्वमंत्रनः सोथववर्हया लीयाः लीसयेकनः जपल
 प सोयः सोथगानिवा ॥ धोमंत्रनः धुलजपलप सोय

पात्रसमेवनः अपचारः याङ्गलख गायक लो
 नः अपचारनयापमपु ॥ ध्वमंत्रनः श्रीखण्डन ज
 पलपः पाय सोल सनेत कलाङ्ग ॥ ध्वमंत्रन सोधे
 जपलपः श्वयः नवर्ह तोनके यल लाय ॥ ध्वमंत्रनः सि
 धिगुतीकालरिर लनत्वी सर्वरक्षा ॥ ध्वमंत्रन

पुजप्रत्रसोयावः ^{कि} लीस जोडू वजुयः धवर्ष
 कवच ॥ ७ ॥ १११ कामरू कामाख्यादेवि चोतिनी
 कालिदाहिन वामन ननोचमा माह न कि ॥
 ही कालि ममरक्षा कलय श्रीगो लोक्ष लाय
 थो मत्र नचे कन जपलपीम चातुर्वमिषा याः भुष्ट

प्रेतः पुत्रे मापु ॥ थो मत्र नचे कन जपलपीम चा
 मावत के ॥ थो मत्र नः तो न के ॥ धा ३ ॥ कृरिजरा
 ठ वं न्यालि हां हं फल स्वाहा ॥ धाता ॥ १ ॥ ज्या
 पुश्चि शयिवा रपका २ जील स्वा नया रुल २
 मिस डुयः वक्कि वक्कि होला चोया ॥ ॥ मे

20

15

10

5

ॐ महेश्वर गौरावति किं आज्ञा सति सिता किं आज्ञा
 ॐ हों हूँ काला भैरव के प्रसाद त रते फुले ॥ धा ३ ॥ न
 ॐ मिन के भैरव लेन के मकु ॥ ॐ अस्तु त्रिधि अस्तु
 धि अस्तु नैरे वक्ष्यता रये गिनी लहित कारना सो हूर
 मत्र माह देव वाचा ॥ धमत्र उम्र निज प्रपं नाझ न धु क
 आवके ॥ ७ ॥ १ ॥ श्री गौत्र रे आज्ञा नक्ष २ माह देव
 गौरावति के वाचा ॥ धा १ ॥ धमत्र न धुल ज प्रपं ति
 यथ व्रवा ॥

824

20

15

10

5

वनधवपाठसाधमसर्नपायं॥प॥॥
ॐ गुरुआतात्रिपुरजननीभद्रकामिनी
भाहनीजलदेभाहनीःसर्नवडुष्वलस्वाहा
धा॥अंगलीअंगचाविस्वाहा॥धा॥

ॐ गुरुआता॥त्वैकालीकामाहाकालिका
भद्रकिंकालीयर्मदसदिईशामौलके
ठामलिजीठकेमालीफुलमाताआहुंस
दालियंस्वाहा॥धाया॥

२०
१५
१०
५
०
रु हि रु हं हं हं फल स्वाहा सिद्धि गुरु आता
घालता ॥ गले या ॥ गुरु पा पान गुरु के लकी
मेरे भकी फुले मन ई लवर उ वाच ॥ धा ॥
धमत्र नन के चीत मी ले पा गु ॥

५
०
रु विसक थानि न क था न हा कर य श्री गो खरा ॥ धा ॥
धमत्र न श्व धि जा नी ज प ल प्र य स न दे क ही तान के
मु क न ल का क्य स य ला य ॥ रु ना नी न खे डा र्खी
ड छि या त क्ष न परि नो दा व ॥ श्री ता पु कू रु कि
ग मि रु ख दा वा ॥ धमत्र न द्या ल स पि का पा हि कि

20

15

10

या॥ धा॥ ३॥ ॐ कामदेव सु जले त्रैलोक्य श्री कामेश्वरि
 का ज्योत्या ज्ञा मालिनी जाती भगवति वापि श्री नव
 नामाधिके व्या ज्ञा॥ श॥ धा॥ वं॥ जी॥ लोनाया
 वसु॥ ॐ पिठि तक्रपुरत या जय कर यो
 सी सी लो हा धा ॥ १॥

१॥ नमः श्री गणपतये नमो॥ श्री गुरु व्या ज्ञा॥ गुरु नमस्कारः व
 र्ज जोगी नीमा ताः कापु व्या देवि माताः हली शिछि माताः वि
 रुपासिया व्या ज्ञा॥ सिडु गुरु व्या ज्ञा॥ ॐ नमः गुरु व्या ज्ञाः
 ॐ बहा किनी को हा हं फत स्वा हा॥ धाल॥ गना वान साभ यम
 ड॥ ॐ॥ य कृत्वा न हो जप त्रयः पो ल चिया था सलु सञ्च क प्या य
 वशी क न थो जु लो॥ चिक न म्फु या डू व थ वखा ल स था पिया
 ववाने जु लो॥ १॥

5

20

15

10

5

ॐ नमः गुरुभ्याः ॥ उल्लेखः ॥ धाल १ ॥ हाशिवव्याः हि क्रिय
 गुथजुलो ॥ १ ॥ ॐ नमः गुरुभ्याः ॥ नीवकेवमा लवविष
 हलः रुद्र जाहियः विमखय जाः धाल १ ॥ यखलायमं थ्व जुलो
 ॥ ३ ॥ उँ या धावी तो स्वा हा ॥ धाल १ ॥ वुयमपुयाः वुयाकेताः ची
 कनजपलपावविय ॥ ४ ॥ ॐ नमः गुरुभ्याः ॥ हँ हँ हँ
 हिं फरु फरु स्वा हा ॥ धाल १ ॥ ही विकयाः नवात जपलपावनके

जुलो ॥ ५ ॥ ॐ सिद्धी गुरुभ्याः ॥ ६ ॥ साले ^{त्या} वापे साले ^{त्या} ॥
 स्वा हा ॥ धाल १ ॥ सालमवुसे चो डु गुवय के जुलेः मो चावुयम
 फुयाः वुय के जुले ॥ ६ ॥ १ ॥ ॐ नमः गुरुभ्याः ॥ एद सवलि
 छीनहीय सव भद्र स्वा हा ॥ धाल १ ॥ ह्या डु का तु १ ॥ हाया व
 को खाय के भु जी नीः हलापोल ची याव को खाय के जुलोः
 थां को वा डु या जुलो ॥ ७ ॥ ॐ नमः गुरुभ्याः ॥ सिंघ सव

20

15

10

5

द व जादः अं न धारा नी सं ता ला ॥ धाल ७ मि पु क रा का र्क पु
 क राः क्षे ज रा ला ल नः मृ या द व ई ल के ॥ २ ॥ न म गुरु
 आ ता ॥ उ दे ध व द षः व सी धेः पा र्श ह रा उ था के पु व सा व गु लु
 ग व र ख ना ठ के हं पु ल मृः ई स् व लु वा चा ॥ धाल ७ ॥ फी ग व ल
 थ मृ या व व पे रे स को यः ला स ह् व त य माल ॥ १० ॥
 न म गुरु आ ता ॥ न मा ता वा स्था पु ॥ धाल ७ ३ ॥ चा ह् स जु य

ता म य म डु ॥ ११ ॥ न म सि छि गुरु आ ता ॥ सि वो ला यं गु
 वो ला य ह तं म रा फ रं जा ॥ धाल ७ सा पा वि का य गु ॥ १२ ॥
 न म गुरु आ ता ॥ य ने तु ता ने हं फ रं स्था हा ॥ धाल ७ ना ज
 पा व धे ने गु ॥ १३ ॥ न म गुरु आ ता ॥ न गुरु ने स्था हाः धा ७
 सु त पु य गु ॥ १४ ॥ की रे श व की ते न म स्था हाः धाल ७ वा
 की का य गु म ना माल या हं चि क न त या व मि स पा द्वा वा वान

20

15

10

5

उगयावतय ॥ १५ ॥ नमः गुरु आता ॥ कीमीनलः परछ
 इकुट हं हं हं पल स्वाहा ॥ धाल ॥ श्री जप लपावन के की मिना
 ल ॥ १६ ॥ नमः गुरु आता ॥ अलुना हा हं फट स्वाहा ॥ धा ॥
 रुट पुट पुट ॥ १७ ॥ नमः गुरु आता ॥ जिहं हा स्वाहा ॥ धाल ॥
 जोर को कायगुः काय पुचा स्वाहा नीयावतो न के ॥ १८ ॥ नमः
 मसिछी गुरु आता ॥ रहली रहली कच की पुच ॥ कीः सात रु

प्रपा लीजो ॥ धाल ॥ भीम पिंडु यार स्वाधाने जुलोः आ
 झयव पल काय ग्वः ई काय ग्वः ची ॥ १९ ॥ नमः गुरु
 आता ॥ श्री बालकुमा क्रया आता ॥ धाल ॥ ई का १ ग्वः पलक १
 येमखाल पय अठि चावया जुलो ॥ २० ॥ गुरु आताः क्रध
 रुदसदी सन जसः नाहमगी क पदसः हक वतुं लन दुली सेति
 कोटः शकचि केतः ॥ हं हं हं हं हं आचि अची हं स्वाहा ॥ आयेत
 तेज पया इव बलस तया वरु सः लो गीन नो यो के जुलो ॥ धाल ॥